

संवर्ति पुं. (तत्.) 1. लपेटी हुई वस्तु, बत्ती 2. ऐसा कली के रूप में बंधा पत्ता जो अभी खुलने या खिलने वाला हो 3. खेत जोतने वाला हल, संवर्तक।

संवर्तित श्रू.कृ. (तत्.) 1. लपेटा हुआ 2. घुमाया, फेरा या मोड़ा हुआ।

संवर्ती वि. (तत्.) 1. किसी के साथ वर्तमान/विद्यमान रहने वाला 2. सम-सामयिक 3. किसी के समान पद या स्थिति में रहने वाला 4. एक समय में औरों के साथ प्रायः उसी रूप में परंतु भिन्न-भिन्न स्थानों में होने वाला जैसे- संविधान में संवर्ती सूची स्त्री. संवर्तिनी।

संवर्धक वि. (तत्.) बढ़ाने वाला, संवर्धन करने वाला, बड़ा करने वाला।

संवर्धन पुं. (तत्.) 1. पालन-पोषण करके बड़ा करना 2. अच्छी तरह बढ़ना या बढ़ाना, वृद्धि होना 3. मधुमक्खियों, रेशम के कीड़ों या मछलियों आदि का प्रजनन और पालन 4. पौधों या पशु-पक्षियों के वंश का विस्तार आदि 5. पौधे उगाना और उन्हें बड़ा करना।

संवर्धन कुंड पुं. (तत्.) ऐसा तालाव या जलाशय जिसमें मत्स्य बीज उत्पन्न किए जाते हैं। मछलियों का वंश-वर्धन करने वाला कुंड।

संवल पुं. (तत्.) 1. घुमाव, मोड़, सिलवट 2. मिश्रण, मेल, मिलावट।

संवलन पुं. (तत्.) 1. किसी ओर मोड़ना या घुमाना 2. मिलाना, मिश्रण करना, मिलावट 3. मेल 4. ऐसी व्यवस्था करना कि आवश्यकतानुसार परिमाण घटाया-बढ़ाया जा सके conditioning जैसे- वायु-संवलन 5. भिड़ना, बल दिखाने के लिए मुठभेड़ करना 6. मजबूत करने की क्रिया जैसे- रस्सी आदि में ऐंठन देकर मजबूत करना।

संवलित वि. (तत्.) 1. मिला हुआ, मिलित 2. किसी से संबंध युक्त 3. जिसने शत्रु से मुठभेड़ की हो, शत्रु से भिड़ा हुआ 4. जिसका संकलन किया गया हो 5. घिरा या घेरा हुआ।

संवलीयन वि. (तत्.) संवलन करना, मिलाना, मिश्रित करना, संबंध युक्त करना।

संवसथ पुं. (तत्.) मानव बस्ती, जहाँ मनुष्य रहते हैं।

संवह वि. (तत्.) 1. वहन करने वाला, ले जाने वाला 2. एक वायु जो सात आकाशीय मार्गों में से तीसरे मार्ग में रहती है 3. सप्त अग्नि जिह्वाओं में से एक जिह्वा।

संवहन पुं. (तत्.) 1. वहन करना, ले जाना, ढोना 2. ऊष्मा का एक किनारे से दूसरे छोर तक पहुँचना 3. विद्युत युक्त कणों की गति के कारण विद्युत का एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाना, चालन 4. प्रदर्शित करना, दिखाना। convection

संवहन कोष पुं. (तत्.) कान के झिल्लीदार भाग में छोटी-छोटी पुटिकाएँ जो ध्वनि तरंगों को आगे पहुँचाने का कार्य करती हैं।

संवहन-तंत्र पुं. (तत्.) ऊष्मा, विद्युत आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने की प्रणाली, इसमें विद्युत उत्पादन उसका संपेषण एवं प्रदायगी Delivery शामिल है, ऊष्मा, विद्युत चालन तंत्र।

संवाच्य पुं. (तत्.) अच्छी तरह से वार्तालाप करने या कथा कहने का ढंग जो 64 कलाओं में से एक माना जाता है।

संवातन पुं. (तत्.) अच्छी वायु आने-जाने की व्यवस्था जिससे मकान या कमरे में हवा ठीक तरह से आती-जाती रहे, हवादार। Ventilation

संवाद पुं. (तत्.) 1. किसी से की जाने वाली बातचीत, वार्तालाप 2. किसी के पास भेजा गया या प्राप्त विवरण 3. खबर, समाचार, परिचर्चा 4. नियुक्ति 5. मुकदमा, व्यवहार 6. सहमति, स्वीकृति।

संवादक वि. (तत्.) 1. वार्ताकार, बोलने या बातचीत करने वाला 2. संवाद या समाचार देने वाला 3. किसी के मत से सहमत होने वाला 4. वादन करने वाला, बाजा बजाने वाला।